Parimal Nathwani
Member of Parliament
(Rajya Sabha)

Member:
Standing Committee on Personnel, Public Grievances, Law & Justice
Consultative Committee, Ministry of Commerce and Industry
Permanent Special Invitee:
Consultative Committee, Ministry of External Affairs

सत्यमेव जयते

165, South Avenue,
New Delhi - 110 011
Ph.: 011-23794010
e-mail : parimal.nathwani@sansad.nic.in

' Vraj ', Opp. HDFC Bank,
Beside Chandanbala Tower,
Nr. Suvidha Shopping Centre,
Paldi, Ahmedabad - 380 007

<u>मीडिया रीलिज</u>

झारखण्ड कृषि क्षेत्र में कुछ सुधार

सांसद नथवाणीजी को कृषि मंत्री का उत्तर

31 जुलाई 2010 : उपलब्ध आकलन के अनुसार, झारखण्ड के कुल बुवाई क्षेत्र का लगभग 10.1 प्रतिशत सिंचाई के अंतर्गत है। कुल सिंचित क्षेत्र वर्ष 2003-04 के दौरान 2.30 लाख हैक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2007-08 के दौरान 2.41 लाख हैक्टेयर हो गया है। तथापि पिछले पांच वर्षों के दौरान कुल बुवाई क्षेत्र की तुलना में सिंचित क्षेत्र का प्रतिशत लगभग 10 प्रतिशत रहा है क्यों कि इसी अवधि के दौरान बुवाई क्षेत्र 21.58 लाख हैक्टेयर से बढ़कर 23.91 लाख हैक्टेयर हो गया है।

केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री प्रो. के. वी. थॉमस ने राज्य सभा में यह जानकारी दी। वे राज्य सभा में प्रदेश के सांसद श्री परिमल नथवाणीजी द्वारा झारखण्ड में कृषि की स्थिति सम्बंधी उठाए गए प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे।

मंत्री महोदय ने यह भी बताया कि पिछले दशक (1999-2000 से 2008-09) में झारखण्ड में समग्र कृषि विकास दर 1.9 प्रतिशत है और प्रदेश में सिंचाई सुविधा में सुधार हेतु त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (ए.आई.बी.पी.) के अंतर्गत कई सिंचाई परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया जा रहा है।

आपने यह भी कहा कि जल संरक्षण और प्रबन्ध के उद्‌देश्य से कई स्कीमें कृषि मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित की जा रही हैं। जैसे कि वर्षा सिंचित क्षेत्र के लिए पनधारा विकास परियोजना (एन.डबल्यु.डी.पी.आर.ए.), नदी घाटी परियोजना, एवम् बाढ़ प्रवण नदी के आवाह क्षेत्र में अवक्रमण भूमि की उत्पादकता में वृद्धि के लिए जमीन संरक्षण और लघु सिंचाई योजनाएं जिससे राज्य में कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि हो।

★ ★ ★